RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 206
दि. 27.11.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

सीएम योगी ने लोकभवन में संविधान की उद्देशिका का कराया सशपथ पाठन कहा-कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता

विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लिए हर देशवासी पंचप्रणों के साथ जुड़ें

हर भारतवासी के घर में संविधान की प्रति होनी चाहिए

लखनऊ। (जीएनएस)। संविधान दिवस के अवसर पर लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान की उद्देशिका का सशपथ पाठन कराया। इसके पूर्व अतिथियों ने भारत माता व बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पार्चन किया। इस दौरान लघु फिल्म भी दिखाई गई। मुख्यमंत्री योगी ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया। संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से 2015 से पूरा देश प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करता है।

चुनाव के उपरांत गठित संविधान सभा ने भारत के संविधान का निर्माण किया था। डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में बनी संविधान सभा ने अलग-अलग कमेटियां बनाई थीं, उसकी ड्रॉफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। योगी ने कहा कि संविधान निर्माण में 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन लगे। संविधान निर्माण में जिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने योगदान व विशेषज्ञों ने सहयोग किया, उसी का परिणाम है कि हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा और भारत की अनेकता को एकता में जोड़ने वाला है। संविधान की मूल प्रति को लेकर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की

समिति जब संविधान सभा के पास गई थी तब भी उन्होंने कहा था कि संविधान एक दस्तावेज है, जो भारत की विविधता को एकता में जोड़ने में मार्गदर्शिका के रूप में देश को नेतृत्व प्रदान करेगी।

योगी ने कहा कि आज हर संस्था, पंचायत में ऐसे आयोजन करके संविधान की प्रस्तावना का वाचन करने का प्रयास हुआ है। 2015 में संविधान दिवस पर पीएम मोदी ने कहा था कि हममें से हर व्यक्ति स्वतंत्र भारत का नागरिक है, लेकिन स्वतंत्रता की वास्तविक कीमत विस्मृत की जा रही है। क्योंकि हमने स्वाधीनता की लड़ाई को आंखों से नहीं देखा। हमने क्रूर यातनाओं को नहीं सहा। परिणामस्वरूप हर व्यक्ति केवल अधिकार की बात करता है। अधिकार तब सुरक्षित होते हैं, जब व्यक्ति कर्तव्यों के निर्वहन की आदत डाले। कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता। जहां कर्तव्य के बिना अधिकार प्राप्त करने का प्रयास किया गया है, वहां पर लोकतंत्र नहीं है, बल्कि वहां तानाशाह, व्यवस्था को गिरफ्त में लेकर आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों को रौंदते दिखते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद भारत ने इसे सर्वोपरि मानकर सम्मान दिया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व प्रतीकों को सम्मान दिया और जिन मूल भावनाओं पर भारत का संविधान बना है, उसे जीवन का हिस्सा बनाने का प्रयास किया। जब कोई देश मूल भावनाओं को सम्मान देते हुए बढ़ता है तो उसे विकसित होने से कोई रोक नहीं सकता। आजादी के अमृत महोत्सव में प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों के सामने विकसित भारत की संकल्पना रखी। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लिए हर देशवासियों से पंचप्रण के साथ जुड़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने पंच प्रण का जिक्र करते हुए कहा कि हर व्यक्ति गुलामी की मानसिकता से मुक्त हो। यूनिफॉर्म धारी सेना-अर्धसेना, पुलिस बल के जवानों के प्रति सम्मान का भाव रखे।

योगी ने कहा कि हर भारतवासी के घर में संविधान की प्रति होनी चाहिए। हर परिवार में उसकी प्रस्तावना का वाचन होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने मूल प्रस्तावना के साथ उसके भाव की चर्चा की और कहा कि भारत के मूल संविधान में पुष्पक विमान से अयोध्या के लिए भगवान श्रीराम का माता सीता और महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण के द्वारा गीता के उपदेश का चित्र भी है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, सूर्यप्रताप शाही, दारा सिंह चौहान, धर्मपाल सिंह, धर्मवीर प्रजापति, बलदेव सिंह औलख, दानिश आजाद अंसारी, महापौर सुषमा खर्कवाल, अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत आदि मौजूद रहे।

'नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य निभाएं', संविधान दिवस पर पीएम मोदी ने लिखा देशवासियों के नाम बेहद खास लेटर

(जीएनएस)।

संविधान दिवस के खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को एक भावनात्मक और प्रेरक संदेश भेजा है। अपने इस पत्र में उन्होंने न सिर्फ संविधान की ऐतिहासिक यात्रा को याद किया, बल्कि हर नागरिक को यह भी बताया कि भारत के भविष्य को मजबूत बनाने में कर्तव्य निभाना कितना महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी ने कहा कि आज का भारत उसी मजबूत नींव पर खड़ा है, जिसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निमार्ताओं ने अपनी मेहनत और दूरदर्शिता से तैयार किया था।

पीएम ने अपने अनुभव और देश की लोकतांत्रिक ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान ने साधारण से साधारण व्यक्ति को भी बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का अधिकार दिया है। यह संदेश ऐसे समय आया है जब देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है और नागरिकों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

1949 से आज तक संविधान ने दी दिशा

पीएम मोदी ने कहा कि 1949 में जब भारत का संविधान अपनाया गया, तभी से यह दस्तावेज देश को साफ दिशा और भरोसा देता आया है। उन्होंने याद दिलाया कि 2015 में उनकी सरकार ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की थी।

साधारण परिवार से देश की सेवा का मौका

प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान की ताकत से ही साधारण परिवार से आने वाले लोग भी देश की बागडोर संभाल सकते हैं। उन्होंने 2014 का वह पल याद किया जब पहली बार संसद में प्रवेश करते समय उन्होंने संसद की सीढ़ियों को नमन किया था। 2019 में दोबारा जीत के समय उन्होंने संविधान को माथे से लगाकर सम्मान दिया था।

पीएम मोदी ने संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद, डॉ भीमराव आंबेडकर और महिलाओं सहित सभी सदस्यों के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि इन सभी की मेहनत से भारत को इतना मजबूत संविधान मिला।

पीएम ने 2010 की 'संविधान गौरव यात्रा' का जिक्र किया, जिसमें गुजरात में संविधान की प्रति को हाथी पर रखकर यात्रा निकाली गई थी। उन्होंने बताया कि संविधान के 75 साल पूरे होने पर देशभर में कई कार्यक्रम और संसद का विशेष सत्र आयोजित हुआ था।

पीएम मोदी ने कहा कि इस बार का संविधान दिवस इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल सरदार वल्लभभाई पटेल और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती भी मनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इन दोनों महान नेताओं ने देश के लिए महत्वपूर्ण काम किए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रचंड जनसैलाब के अदम्य उत्साह के बीच 'सरदार@150 : राष्ट्रीय यूनिटी मार्च' का शुभारंभ कराया

करमसद से केवडिया तक 152 किलोमीटर लंबी पदयात्रा के शुभारंभ अवसर पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, केन्द्रीय राज्य मंत्रियों श्रीमती अनुप्रिया पटेल एवं श्रीमती निमुबेन बांभणिया की विशेष उपस्थिति

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- **'सरदार पटेल@150 : यूनिटी मार्च' पदयात्रा राष्ट्रभक्ति का राजमार्ग प्रशस्त करेगी**
- **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रेरित यह पदयात्रा सरदार पटेल को श्रेष्ठ श्रद्धांजलि है**
- **प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण का महाकार्य हो रहा है**
- **यह राष्ट्रीय पदयात्रा सरदार साहब के जीवन मूल्यों एवं आदर्शों को जानकर राष्ट्र निर्माण में सहभागी होने के लिए स्वर्णिम अवसर है**
- **देश में अनेक कल्याणकारी योजनाओं के सटीक क्रियान्वयन के कारण करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं**
- **यह पदयात्रा कोई साधारण पदभ्रमण नहीं; बल्कि देश की एकता, अखडंता एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक समान लौह पुरुष सरदार पटेल को समर्पित विशेष आयोजन है : त्रिपुरा के मुख्यमंत्री श्री माणिक साहा**

(जीएनएस)।

गांधीनगर,26 नवंबर :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सरदार साहब की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित करमसद से केवडिया तक की राष्ट्रीय पदयात्रा 'सरदार@150 : यूनिटी मार्च' को मंगलवार को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा त्रिपुरा के मुख्यमंत्री श्री माणिक साहा ने फ्लैग ऑफ करके प्रस्थान कराया।

आणंद जिले के करमसद में प्रचंड जनसैलाब के अदम्य उत्साह तथा 'जय सरदार' के गगनभेदी नारों की गूंज के साथ यह राष्ट्रीय पदयात्रा आगामी 6 दिसंबर को सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा यानी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुँचेगी।

150 स्थायी पदयात्रियों के साथ आणंद के अलावा वडोदरा तथा नर्मदा जिलों से गुजरने वाली इस पदयात्रा का भव्य शुभारंभ कराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सरदार@150 : यूनिटी मार्च' पदयात्रा राष्ट्रभक्ति का राजमार्ग प्रशस्त करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रेरित यह पदयात्रा सरदार पटेल को श्रेष्ठ श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. बाबासाहब आंबेडकर तथा संविधान सभा के सभी सदस्यों को आदरपूर्वक नमन करते हुए कहा कि विश्व नेता तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रेरणास्रोत श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में सरदार साहब की 150वीं जयंती भव्य रूप से मनाने का आयोजन हुआ है। इसी उपक्रम में जहाँ सरदार साहब का बचपन बीता था और जहाँ उनकी शिक्षा-दीक्षा हुई थी, उस पवित्र भूमि करमसद से एकता के प्रतीक स्टैच्यू ऑफ यूनिटी-केवडिया तक यह यूनिटी मार्च आयोजित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लौह पुरुष सरदार पटेल को दी गई सच्ची श्रद्धांजलि बताते हुए कहा कि सरदार साहब की यह अभूतपूर्व प्रतिमा विश्वभर में भारत के सामर्थ्य एवं गौरव के इतिहास का जीवंत प्रतीक बनी है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि सरदार साहब ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश के उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में 562 देसी रजवाड़ों का विलय कर अखंड भारत का निर्माण किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरदार साहब के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार साहब द्वारा दिए गए राष्ट्रीय एकता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य के साथ यह यूनिटी मार्च आयोजित हो रही है।

मुंबई एयरपोर्ट ने कर दिया कमाल, एक दिन में 1036 उड़ानों के साथ बनाया जबरदस्त रिकॉर्ड

मुंबई एयरपोर्ट देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट में से है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय इसे शिकागो और लंदन के स्तर का एयरपोर्ट बनाने की महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रही है। हाल ही में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (CSMIA) ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 21 नवंबर 2025 को एयरपोर्ट ने 24 घंटे में 1,036 उड़ानों का संचालन कर अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सिंगल रनवे वाले हवाई अड्डे के लिहाज से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. मानिक साहा ने करमसद स्थित सरदार पटेल के निवास स्थान पर सरदार साहब की प्रतिमा पर सूत की माला पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की

गांधीनगर, 26 नवंबर : सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उत्सव के अंतर्गत बुधवार को करमसद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक एकता और अखंडता के मजबूत संदेश के साथ आयोजित हो रही राष्ट्रीय पदयात्रा के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने करमसद स्थित सरदार पटेल के निवास स्थान जाकर सरदार साहब की प्रतिमा पर सूत की माला पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. मानिक साहा सहित उपस्थित महानुभावों ने सरदार पटेल और विठ्ठलभाई पटेल की प्रतिमाओं पर सूत की माला अर्पित की।

इस अवसर पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. मानिक साहा की विशेष उपस्थिति में मुख्यमंत्री ने सरदार साहब की नई प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री सरदार पटेल के पैतृक निवास में सरदार साहेब की वंशावली (फैमिली ट्री) से भी अवगत हुए।

इस अवसर पर गुजरात के कृषि मंत्री श्री जीतू वाघाणी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता सुरक्षा मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी, वित्त, पुलिस और हाउसिंग राज्य मंत्री श्री कमलेशभाई पटेल, आणंद के सांसद श्री मितेश पटेल, खेड़ा के सांसद श्री देवूसिंह चौहान, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल, खंभात के विधायक श्री चिराग पटेल, अग्रणी श्री जगदीश पंचाल, आणंद कलेक्टर श्री प्रवीण चौधरी, खेड़ा कलेक्टर श्री अमित प्रकाश यादव, मनपा आयुक्त श्री मिलिंद बापना, रेंज आईजी सुश्री विधि चौधरी, जिला विकास अधिकारी सुश्री देवाहुति, पुलिस अधीक्षक श्री जी.जी. जसाणी, अग्रणी श्री संजय पटेल सहित कई गणमान्य व्यक्ति और अधिकारी

टकराव टालने के लिए 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक, विपक्ष के साथ अहम विधेयकों पर होगी चर्चा

(जीएनएस)।

संसद के पिछले सत्र में जमकर हंगामा हुआ था और कार्यवाही बुरी तरह से प्रभावित हुई थी। मानसून सत्र में दोनों ही सदन चलाने में काफी व्यवधान हुआ था। सत्र के दौरान लगातार हंगामा और अवरोध चलता रहा। इस स्थिति को सुधारने और आगामी शीतकालीन सत्र को व्यवस्थित ढंग से चलाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने विपक्षी दलों को साथ लाने की कोशिस की है। 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है।

परंपरा के मुताबिक, सत्र शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई जाती है। संसद सत्र से ठीक पहले सरकार सभी दलों के नेताओं के साथ संवाद स्थापित कर राजनीतिक सहमति बनाने का प्रयास कर रही है। एएनआई के सूत्रों के अनुसार, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

- यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब सत्र के दौरान पहले की तरह बार-बार हंगामे की आशंका जताई जा रही है। वोटर लिस्ट संशोधन, न्यूक्लियर एनर्जी बिल, उच्च शिक्षा सुधार बिल जैसे मुद्दों पर जमकर हंगामा हो सकता है।

- सरकार चाहती है कि इस बार संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले और सभी महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा हो। इसके लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। 1 दिसंबर से शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है।

यह भी पढ़ेंः ह्लल३ी१ री२२्नल्लः शीतकालीन सत्र में सरकार लाएगी ये 10 नए बिल, न्यूक्लियर एनर्जी से लेकर इन विधेयकों पर रहेगी नजर

- संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ होने जा रहा है। इस बार सरकार लगभग 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की योजना बना रही है।

- इनमें सबसे अहम माना जा रहा है 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025', जो भारतीय परमाणु क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव की राह खोल सकता है।

सर्वदलीय बैठक में सरकार विपक्ष से सहयोग का आग्रह कर सकती है, ताकि सत्र के दौरान संसद गरिमापूर्ण ढंग से कार्य कर सके। पिछले सत्रों में कई बार महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा बाधित रही है। इसलिए केंद्र सरकार पूरे सत्र को शांतिपूर्ण और सुचारू बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है। शीतकालीन सत्र से पहले बुलाई गई यह बैठक तय करेगी कि क्या सभी दल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बिना बाधा आगे बढ़ाने पर सहमत होते हैं या नहीं।

सम्पादकीय

अंतर्जाल बना रहा कट्टरपंथी

इंशा वारसी हाल के सालों में, इंटरनेट दोधारी तलवार बन गया है: यह शिक्षा, सामाजिक जुड़ाव और लोगों से जुड़ने का एक ज़रिया है, लेकिन कट्टरपंथ के लिए एक असरदार ज़रिया भी है। भारत अपनी बड़ी, युवा और तेज़ी से जुड़ती आबादी के साथ ऑनलाइन भता और लोगों को भड़काने की कोशिशों के लिए खास तौर पर कमज़ोर है। जबकि कट्टरपंथ पैलाने वाला वंटेंट किसी एक विचारधारा तक सीमित नहीं है, ऐसे नेटवर्व का बढ़ना जो लोगों को भता करने और जुटाने के लिए धरमिक पहचान का फ ायदा उठाते हैं, इसके लिए एक सोची-समझी प्रतिाियां की ज़रूरत है जिसमें साइबर सिक्योरिटी, कम्युनिटी तक पहुंच, कानूनी सुरक्षा और प्लेटफ ॉर्म की जवाबदेही का मिश्रण हो। कट्टरपंथी तत्व इंटरनेट के कई फ ीचर्स का फ ायदा उठाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफ ॉर्म, एन्व्रिप्टेड मैसेजिग ऐप, इमेज और वीडियो-शेयरिग स्रविस, और क्लोज्ड-ग्रुप फ ोरम इन लोगों को प्रोपेगैंडा पैलाने, धर्मग्रंथों की चुनिदा व्याख्याओं को पैलाने, टेस्टीमोनियल और शिकायतें शेयर करने, और ऐसे इको चैंबर बनाने की इजाज़त देते हैं जो कट्टरपंथ को नॉर्मल बनाते हैं। जुड़ाव को प्राथमिकता देने वाले एल्गोरिदम ध्रुवीकरण करने वाले वंटेंट को बढ़ा सकते हैं; माइव्रो-टारगेटिग से रिव्रूटर कमज़ोर लोगों की पहचान कर उन्हें तैयार कर पाते हैं, जो अक्सर युवा होते हैं और सोशल आइसोलेशन, आर्थिक तनाव या पहचान के संकट का सामना कर रहे होते हैं। ण्ध्झघ के समय में ज़्यादा ऑनलाइनज़िदगी ने इन प्रोसेस को और तेज़ कर दिया, जिससे डिजिटल स्पेस भता का मुख्य ज़रिया बन गए। भारत का बड़ा युवा डेमोग्राफिक, स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच और कई भाषाओं वाले ऑनलाइन इकोसिस्टम, लोकल और ट्रांसनेशनल दोनों तरह की बातों के लिए अच्छी ज़मीन तैयार करते हैं। डायस्पोरा नेटवर्व, कई भाषाओं में व्रॉस-बॉर्डर वंटेंट और छोटे, प्राइवेट चैट ग्रुप की बढ़ोतरी मॉनिटरिंग को मुश्किल बनाती है। साथ ही, असली या महसूस की गई सामाजिक और आर्थिक शिकायतों का फ ायदा ऐसे लोग उठा सकते हैं जो अपनेपन या मकसद का वादा करते हैं। टेक्नोलॉजी के पैमाने और सामाजिक जटिलता के इस मिक्सचर का मतलब है कि दखल सटीक, सही और अधिकारों का सम्मान करने वाला होना चाहिए। साइबर सिक्योरिटी को अक्सर डेटा की सुरक्षा या हैक को रोकने के तौर पर देखा जाता है। लेकिन, ऑनलाइन कट्टरपंथ का मुकाबला करने के मामले में, साइबर सिक्योरिटी को ऐसी बड़ी क्षमताओं के तौर पर फिर से सोचना होगा जो नुकसान कम करें और नागरिक आज़ादी को बनाए रखें: 1. पता लगाना और खतरे की निगरानी: सरकार, सिविल सोसाइटी और ऑनलाइन प्लेटफ ॉर्म के अंदर सिक्योरिटी टीमों को बड़े पैमाने पर कट्टरपंथ पैलाने वाले वंटेंट की पहचान करने के लिए ऑटोमेटेड डिटेक्शन और ूमन रिव्यू का कॉम्बिनेशन इस्तेमाल करना चाहिए। मशीन टूल्स पैटर्न (शेयर किए गए ळथ, बार-बार बताई जाने वाली बातें, नेटवर्व ग्रोथ में तेज़ी) को फ़्लैग कर सकते हैं, लेकिन उन्हें गलत पॉिज़टिव नतीजों से बचने और बोलने की आज़ादी का सम्मान करने के लिए टून किया जाना चाहिए। 2. प्लेटफ ॉर्म सुरक्षा और वंटेंट मॉडरेशन: टेक प्लेटफ ॉर्म को ट्रांसपेरेंट कम्युनिटी गाइडलाइन लागू करनी चाहिए, अपील के साफ तरीके देने चाहिए, और लोकल भाषा में मॉडरेशन में इन्वेस्ट करना चाहिए। भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए, सिर्फ़ अंग्रेज़ी पर निर्भर मॉडरेशन काफ ी नहीं है। यहाँ साइबर सिक्योरिटी में ऑपरेशनल पॉलिसी, रीजनल ट्रस्ट-एंड-सेफ़्टी टीमें, और साफ तौर पर हिसक या आतंकवादी वंटेंट के लिए तेज़ी से हटाने के तरीके शामिल हैं। 3. भता नेटवर्व में रुकावट डालना: कानून और मानवाधिकार नियमों से बंधे साइबर सिक्योरिटी ऑपरेशन, असहमति को अपराध मानने के बजाय कोऑॅडिनेटेड नेटवर्व में रुकावट डालने पर फ ोकस कर सकते हैं। इसमें बॉट फार्म को ट्रेस करना, नकली एम्प्लीफिकेशन नेटवर्व का पदार्फाश करना और रिूटर हब को मैप करने के लिए डिजिटल फोरेंसिक का इस्तेमाल करना शामिल हो सकता है। सिक्योरिटी एजेंसियों को प्लेटफॉर्म के साथ मिलकर काम करने की ज़रूरत है, साथ ही निगरानी और कानूनी सुरक्षा उपायों को भी बनाए रखना होगा।

नेतन्याहू का भारत दौरा क्यों हुआ स्थगित ? दिल्ली आतंकी हमला या कोई बड़ा राज, इजराइल ने क्या कहा ?

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के प्रस्तावित भारत दौरे के स्थगित होने से उपजी तमाम अटकलों पर अब विराम लग गया है। कुछ खबरों में दावा किया गया था कि सुरक्षा कारणों से यह यात्रा टाली गई, जिसे इजराइल ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। नेतन्याहू ने स्वयं भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है और बताया कि दोनों देश नई तारीखों पर समन्वय कर रहे हैं।

इजरायली पीएमओ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके भारत के साथ मजबूत रिश्तों और पीएम मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया। यह इस साल तीसरी बार है जब नेतन्याहू का भारत दौरा स्थगित हुआ है, वे आखिरी बार 2018 में भारत आए थे।

सुरक्षा चिंताओं के दावों का खंडन

नेतन्याहू के भारत दौरे के स्थगित होने के बाद इजरायली मीडिया के एक धड़े ने यह दावा किया था कि नई दिल्ली के लाल किले के पास हुए आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं के कारण यात्रा टाली गई है। हालांकि, इजरायल ने मंगलवार 25 नवंबर, 2025) को इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने खुद कहा कि उन्हें भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। उनके कार्यालय ने '' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में दोहराया कि भारत और इजरायल के बीच संबंध, विशेषकर नेतन्याहू और मोदी के बीच, बहुत मजबूत हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा

इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सुरक्षा पर पूरा भरोसा है। पोस्ट में कहा गया कि दोनों देशों की टीमें पहले से ही यात्रा की नई तारीखों पर समन्वय कर रही हैं। यह बयान उन अटकलों को शांत करने के उद्देश्य से था जो सुरक्षा चिंताओं को लेकर फैल रही थीं। यह दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक विश्वास और व्यक्तिगत तौर पर दोनों प्रधानमंत्रियों के मजबूत संबंधों को भी दशार्ता है, जो किसी भी बाहरी कारण से प्रभावित नहीं होगा।

तीसरी बार स्थगित हुआ दौरा

यह इस साल 2025 सरी बार है जब बेंजामिन नेतन्याहू का भारत का प्रस्तावित दौरा स्थगित हुआ है। हालांकि, प्रत्येक बार स्थगित होने के पीछे अलग-अलग कारण बताए गए हैं, और इजराइल ने नवीनतम स्थगन के लिए सुरक्षा को वजह नहीं बताया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नेतन्याहू साल के अंत में भारत आने की योजना बना रहे थे। वे आखिरी बार 2018 में भारत आए थे, जब उन्होंने 14 से 19 जनवरी तक छह दिनों की आधिकारिक यात्रा की थी। यह उनका भारत का दूसरा दौरा था। बार-बार स्थगन के बावजूद, दोनों देश पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीखों पर काम कर रहे हैं।

मीडिया अटकलें और भ्रामक खबरें

इजरायली मीडिया के कुछ वर्गों द्वारा नेतन्याहू के दौरे को सुरक्षा चिंताओं से जोड़ने वाली खबरें महज अटकलबाजी पर आधारित थीं और उन्हें भ्रामक बताया गया है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ऐसी खबरें निराधार हैं। उनका कहना था कि दोनों देशों के बीच परस्पर सुविधाजनक तारीखों को अंतिम रूप देने के प्रयास लगातार जारी हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों देशों के बीच कोई सुरक्षा संबंधी दरार नहीं है, बल्कि यह केवल लॉजिस्टिकल और शेड्यूलिंग से संबंधित एक मुद्दा है, जिस पर अधिकारी मिलकर काम कर रहे हैं।

महिलाओं को नए लेबर कोड में क्या मिला ? वेतन से लेकर नाइट शिफ्ट नियमों की डिटेल देखें यहां

(जीएनएस)।

देश में 21 नवंबर 2025 से चार नए लेबर कोड लागू हो गए हैं। इस नए कोड के साथ ही 29 पुराने श्रम कानूनों को खत्म कर दिया गया है। नए कानूनों में महिलाओं के लिए खास प्रावधान जोड़े गए हैं। सरकार का कहना है कि यह बदलाव कर्मचारियों को समय पर वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल, बेहतर सामाजिक सुरक्षा, ग्रेच्युटी, समान अवसर और स्पष्ट अधिकार देने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

नए लेबर कानूनों में महिलाओं के लिए कई प्रावधान जोड़े गए हैं। समान वेतनमान से लेकर नाइट शिफ्ट समेत दूसरे मोर्चों पर महिलाओं को समान भागीदारी मिल सके, इसकी कोशिश की गई है। महिलाओं के लिए कई सुधार किए गए हैं, जिसमें फैमिली की परिभाषा को भी विस्तार दिया गया है।

इन नए नियमों का फायदा स्थायी कर्मचारियों से लेकर कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ, गिग वर्कर्स, मीडिया कर्मियों और एमएसएमई सेक्टर के कर्मचारियों तक सभी को मिलेगा। इसी कड़ी में महिलाओं से जुड़े प्रावधान सबसे अधिक चर्चा में हैं, क्योंकि नई व्यवस्था में उनके लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं।

नए लेबर कोड को लेकर मजदूर संगठन क्यों कर रहे हैं विरोध, इस पर संविधान क्या कहता है

– नए लेबर कोड्स महिलाओं को कार्यस्थल पर समान अधिकार, बेहतर सुरक्षा और अधिक अवसर देने पर विशेष रूप से केंद्रित हैं।

– पहले कई उद्योगों में महिलाओं के काम करने पर कुछ पाबंदियां भी लागू थी। अब नियमों को वक्त की जरूरत के मुताबिक बदलाव किया गया है।

– समान अधिकार और नो-डिस्क्रिमिनेशन का प्रावधान: अब किसी भी महिला कर्मचारी के साथ वेतन, भर्ती प्रक्रिया, प्रमोशन या काम के असाइनमेंट में जेंडर के आधार पर भेदभाव करना पूरी तरह अवैध है। कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पुरुषों और महिलाओं के बीच किसी भी प्रकार की असमानता न हो।

– नाइट शिफ्ट में काम करने की स्वतंत्रता: पहले कई सेक्टर में महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति नहीं थी। नए कोड के तहत महिलाएं अपनी सहमति से नाइट शिफ्ट में काम कर सकती हैं। कंपनी को उनके लिए सुरक्षित परिवहन, सुरक्षा गार्ड और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी।

– खतरनाक उद्योगों में रोजगार के अवसर: अब महिलाएं अपनी मर्जी और स्वास्थ्य सुरक्षा मानकों के तहत अंडरग्राउंड माइनिंग, फैक्टरी ऑपरेशन्स और हैवी मशीनरी चलाने जैसे कार्य भी कर सकती हैं। पहले यह कई क्षेत्रों में प्रतिबंधित था। यह बदलाव महिलाओं के करियर विकल्पों का दायरा काफी बढ़ा देता है।

– शिकायत निवारण तंत्र और सुरक्षा: हर कंपनी और संस्थान को महिला सदस्यों वाली शिकायत समिति बनानी होगी। यह समिति कार्यस्थल पर उत्पीड़न, भेदभाव और सुरक्षा से जुड़े मामलों को देखेगी। इससे महिलाओं के लिए सुरक्षित और समर्थ वातावरण तैयार होगा।

– फैमिली की नई परिभाषा: नए नियमों में परिवार की परिभाषा बढ़ाकर उसमें ससुर और सास को भी शामिल किया गया है। इसका असर मातृत्व लाभ, बीमा, लीव और अन्य सुविधाओं पर पड़ेगा, जिससे महिला कर्मचारियों को अधिक सहायता और लचीलापन मिलेगा।

टेस्ट के तूफान में उड़ी टीम इंडिया, भीषण हार में बने कई शर्मनाक रिकॉर्ड

(जीएनएस)।

गुवाहाटी के बरसापाड़ा स्टेडियम में कुछ ऐसा देखने को मिला है, जो पहले कभी नहीं हुआ था। इस स्टेडियम के पहले ही टेस्ट मैच में भारत को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। ऋषभ पंत की कप्तानी में भारतीय टीम को 93 सालों की सबसे बड़ी टेस्ट हार मिली है।

घरेलू सरजमीं पर पराजय होना और ज्यादा शर्मनाक है। टीम इंडिया को क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है और चारों तरफ कोच के खिलाफ आवाज उठ रही है। इस मुकाबले में कई कीर्तिमान बने हैं। कुछ प्रमुख शर्मनाक आंकड़ों के बारे में जरूर जानना चाहिए। इस मैच के आंकड़े कुछ ऐसे हैं, जो टीम इंडिया के लिए अच्छे नहीं हैं, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदर्शन कितना बेकार था।

भारत की घरेलू सीरीज में कोई शतकीय पारी नहीं आई

बनाम न्यूजीलैंड, 1969/70

बनाम न्यूजीलैंड, 1995/96

बनाम साउथ अफ्रीका, 2025/26

भारत के बल्लेबाजों का औसत इन दो मैचों में

15.23, जो किसी भी टेस्ट सीरीज में उनका दूसरा सबसे कम औसत है

सबसे कम औसत 12.42, 2002/03 न्यूजीलैंड दौरे में था

भारत को घर में मिले टेस्ट क्लीन स्वीप

0-2 बनाम साउथ अफ्रीका, 2000

0-3 बनाम न्यूजीलैंड, 2024

0-2 बनाम साउथ अफ्रीका, 2025

भारत की सबसे बड़ी टेस्ट हार (रनों से)

408 रन बनाम साउथ अफ्रीका, गुवाहाटी, 2025

342 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, नागपुर, 2004

341 रन बनाम पाकिस्तान, कराची, 2006

337 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, मेलबर्न, 2007

333 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, पुणे, 2017

329 रन बनाम साउथ अफ्रीका, कोलकाता, 1996

दो साल में भारत की घरेलू टेस्ट सीरीज हार

2024: 0-3 बनाम न्यूजीलैंड

2025: 0-2 बनाम साउथ अफ्रीका

साउथ अफ्रीका की उपलब्धि

गुवाहाटी की जीत उनके इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत (रनों से) है, 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 492 रन की जीत के बाद

भारत में यह साउथ अफ्रीका की दूसरी टेस्ट सीरीज जीत है (पहली: 0-2, 2000, हंसी क्रोन्जे की कप्तानी में)

पिछली बार भारत ने लगातार दो साल में दो घरेलू टेस्ट सीरीज हारी थी, पहली हार वेस्टइंडीज (1983) और दूसरी हार इंग्लैंड (1984/85) के खिलाफ आई थी।

कपिल शर्मा की फिल्म का ट्रेलर रिलीज, हंसी रोकना होगा मुश्किल

(जीएनएस)।

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं। उनकी फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' का ऑफिशियल ट्रेलर आज यानी 26 नवंबर 2025 को रिलीज कर दिया गया है, जिसे फैंस से बेहद शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है।

कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' का ट्रेलर रिलीज

खबर है कि कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' आगामी 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर देखकर साफ है कि कपिल शर्मा इस बार अपनी सिग्नेचर कॉमेडी और दिलचस्प ट्विस्ट के साथ दर्शकों को फिर पेट पकड़कर हंसाने वाले हैं।

कैसा है फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' का ट्रेलर ?

–ट्रेलर की शुरूआत होती है कपिल शर्मा के किरदार से, जो एक लड़की से प्यार करते हैं और शादी करने के लिए तीन बार धर्म बदलते हैं लेकिन किस्मत हर बार उनके साथ एक बड़ा खेल खेलती है क्योंकि तीनों ही बार उनकी शादी किसी और लड़की से हो जाती है।

–कहानी यहीं खत्म नहीं होती। कपिल शर्मा की तीनों पत्नियां एक ही बिल्डिंग में अलग-अलग फ्लोर पर रहती हैं और अब वह चौथी शादी की प्लानिंग कर रहे हैं। इसी दौरान उनकी लाइफ में एंट्री करती हैं और नई परेशानियां, नए झमेले और नई हंसी-मजाक वाली स्थितियां।

कपिल शर्मा में सोशल मीडिया पर लिखी ऐसी बात

फिल्म में कपिल शर्मा के पीछे पुलिस भी पड़ी है जिससे उनकी तुगलकी प्लानिंग और भी फनी बन जाती है। फैंस ट्रेलर देखकर काफी उत्साहित हैं। कपिल ने भी ट्रेलर शेयर करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा है- 4 पत्नियां...इसे अपने घर में ट्राई न करें...ये स्टंट हमारे एक्सपर्ट ने परफॉर्म किया है।

फिल्म की स्टारकास्ट और मेकर्स

–इस फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर फेमस कॉमेडियन कपिल शर्मा नजर आएंगे। वहीं उनके साथ फिल्म में त्रिधा चौधरी, पारुल गुलाटी और आयशा खान दिखाई देंगी। तीनों एक्ट्रेसेस ने ट्रेलर में अपने किरदारों से खास प्रभावित किया है। खासकर त्रिधा चौधरी का ग्लैमरस अंदाज फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

–फिल्म के डायरेक्टर अनुकल्प गोस्वामी हैं जबकि इसे रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास-मस्तान ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का एक खास पहलू ये भी है कि इसमें दिवंगत एक्टर असरानी नजर आए हैं। इस साल अक्टूबर में उनके निधन के बाद उन्हें स्क्रीन पर देखकर उनके फैंस भावुक हो गए।

–कपिल शर्मा ने टीवी पर 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' और 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' जैसे लोकप्रिय शोज से एक अलग पहचान बनाई है। फिल्मों में भी उनका कॉमिक टाइमिंग दर्शकों को खूब पसंद आता है और 'किस किस को प्यार करूं 2' इसका नया उदाहरण बनने के लिए तैयार है।

क्या गौतम गंभीर देंगे पद से इस्तीफा ? गुवाहाटी में हारते ही सामने आकर किया बड़ा ऐलान

(जीएनएस)।

कोलकाता और गुवाहाटी टेस्ट में दो लगातार हार के साथ भारतीय टीम को घर में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है। इस बीच हार के बाद मुख्य रूप से गौतम गंभीर को निशाना बनाया जा रहा है। गौतम गंभीर को कोचिंग से हटाने की मांग हो रही है। कोच ने अपने इस्तीफे को लेकर खुद बयान दिया है।

गौतम गंभीर ने खुद से इस्तीफा देने या नहीं देने को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कुछ ऐसा कहा है,

जिससे अब मामला बीसीसीआई के पास चला गया है। ऐसा लग रहा है कि वह भारतीय टीम के लिए आगे काम करना जारी रखना चाहते हैं।

भारतीय कोच ने कहा कि मेरा भविष्य तय करना बीसीसीआई पर निर्भर है। लेकिन, मैं वही आदमी हूं जिसने इंग्लैंड में आपको नतीजे दिलाए और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कोच था। दोष हर किसी का है और शुरूआत मुझसे होती है।

हमें बेहतर खेलना होगा। 95/1 से 122/7 तक पहुँच जाना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। किसी एक खिलाड़ी या किसी एक शॉट को दोष नहीं देना चाहिए। दोष हम सभी पर है। मैंने कभी किसी एक खिलाड़ी को दोष नहीं दिया और आगे भी नहीं दूँगा।

भारतीय हेड कोच ने नए प्लेयर्स का बचाव करते हुए कहा कि टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए सबसे शानदार और टैलेंटेड खिलाड़ी की जरूरत नहीं होती। हमें ऐसे मजबूत व्यक्तित्व वाले खिलाड़ी चाहिए जिनकी स्किल्स सीमित हों। यही अच्छे टेस्ट क्रिकेटर बनाते हैं।

इस हार के साथ ही गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत का खराब टेस्ट आंकड़ा शामिल हो गया है। टीम इंडिया ने गौतम गंभीर की कोचिंग में कुल 18 मुकाबले खेले हैं और 10 में हार मिली है। 25 साल बाद दक्षिण अफ़्रीकी टीम ने भारत में आकर क्लीन स्वीप करने का कारनामा किया है, यह टीम इंडिया के लिए काफी शर्मनाक बात है।

चेतेश्वर पुजारा के घर पर पसरा मातम, परिवार के अहम सदस्य की दुखद मौत, कौन था शख्स और किस वजह से हुआ निधन

(जीएनएस)।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा के ससुराल से एक बड़ी खबर सामने आई है। उनके साले ने आत्महत्या कर ली है। रिपोर्ट्स के अनुसार पुजारा के साले जीत रसिकभाई पाबरी के ऊपर उसकी मंगेतर ने यौन शोषण के आरोप जड़े थे, इसके बाद उन्होंने खुदकुशी कर ली।

मंगेतर ने जीत के ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं। मंगेतर ने कहा कि जीत ने शादी का वादा करके जबरन फिजिकल रिलेशन बनाए थे। सगाई होने के बाद जीत ने फिजिकल

रिलेशन बनाए थे और बाद में शादी करने के वादे से मुकरते हुए सगाई तोड़ दी।

पुजारा के ससुराल वाले कॉटन जिनिंग फैक्टी का बिजनेस करते हैं और पिछले 20 सालों से राजकोट में ही रहते हैं। चेतेश्वर पुजारा की पत्नी का नाम पूजा है और उन्होंने मास्टर्स डिग्री प्राप्त की हैं। पुजारा से शादी करने से पहले वह जॉब भी किया करती थीं। पुजारा के घर में छोटा भाई और बहन भी हैं। पुजारा के सुसराल वाले जमजोधपुर के रहने वाले हैं, बाद में राजकोट शिफ्ट हो गए थे।

खबरों के अनुसार, जीत लंबे समय से मानसिक तनाव और डिप्रेशन से गुजर रहे थे। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसे कई बार चेतेश्वर पुजारा का नाम लेकर धमकाया गया। मालवीय नगर थाने में लड़की ने जीत की शिकायत दर्ज कराई थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इंटरनेशनल आईडीईए की अध्यक्षता संभालेंगे

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार वर्ष 2026 के लिए अतंरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान (अंतरराष्ट्रीय आईडीईए) का अध्यक्ष पद संभालेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त 3 दिसंबर, 2025 को स्वीडन के स्टॉकहोम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आईडीईए सदस्य देशों के आयोजित बैठक में परिषद की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे। वे अध्यक्ष के रूप में वर्ष 2026 के दौरान परिषद की सभी बैठकों की अध्यक्षता करेंगे।

इंटरनेशनल आईडीईए की स्थापना 1995 में की गई थी – यह एक अंतर-सरकारी संगठन है जो दुनियाभर में लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में 35 देशों की सदस्यता और संयुक्त राज्य अमेरिका व जापान के पर्यवेक्षकों के साथ यह संगठन समावेशी, लचीले और जवाबदेह लोकतंत्र को बनाने में मदद करता है (सदस्य देशों की सूची अनुलग्नक में दी गई है)।

यह अध्यक्षता एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है – यह भारतीय चुनाव आयोग को दुनिया के सबसे विश्वसनीय और नवोन्मेषी चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) में से एक के रूप में वैश्विक मान्यता प्रदान करती है। आईआईडीईए के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत ने संगठन के शासन, लोकतांत्रिक संवाद और संस्थागत पहलों में निरंतर योगदान दिया है।

श्री ज्ञानेश कुमार अध्यक्ष के रूप में आईआईडीईए के वैश्विक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए दुनिया के सबसे बड़े चुनावों के संचालन में देश के बेजोड़ अनुभव का लाभ प्रदान करेंगे। यह सहयोग ज्ञान-साझाकरण को मजबूत करेगा। ईएमबीएस के बीच पेशेवर नेटवर्क को मजबूत करेगा और साक्ष्य-आधारित वैश्विक चुनावी सुधारों को समर्थन देगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे पर मनाया गया 76वां संविधान दिवस

मुंबई, पश्चिम रेलवे पर राष्ट्र के 76वें संविधान दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन 26 नवंबर 2025 को किया गया। यह दिवस उस पावन अवसर की स्मृति में मनाया जाता है, जब भारत के संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया था। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया।

पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में 76वें संविधान दिवस समारोह में प्रस्तावना देते हुए।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मुख्यालय कार्यालय में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक, सभी विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल स्तर पर संबंधित मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रस्तावना का वाचन कराया। मुंबई सेंट्रल स्थित जगजीवन राम अस्पताल में अस्पताल स्टाफ के आश्रितों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, रेलवे सेकेंडरी स्कूल, वलसाड द्वारा भी इस अवसर पर वाद-विवाद/प्रश्नोत्तरी तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

अहमदाबाद मण्डल पर 76 वां 'संविधान दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल में 26 नवम्बर 2025 को 76वां संविधान दिवस अत्यंत उत्साह, सम्मान और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर परअहमदबाद स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाशने मण्डल कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठन कराया एवं संविधान की पालना की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर भारतीय संविधान की प्रस्तावना तथा संवैधानिक मूल्यों को पढ़ा गया हम भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक

न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।संविधान दिवस के उपलक्ष्य मेंसाइकिल रैली का सफल आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य भारत के संविधान के प्रति सम्मान प्रकट करना तथा नागरिकों को संविधान में निहित मूल्यों-न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता-से अवगत कराना था।प्रारम्भ में अधिकारियों द्वारा संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा सभी प्रतिभागियों को संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पठन कराया गया।साइकिल रैली मेंप्रतिभागियों ने हिस्सा लिया,जिन्होंने निर्धारित मार्गमंडल रेल प्रबंधक कार्यालयसे मेहसाणा तकसाइकिल चलाते हुए संविधान जागरूकता से संबंधित संदेश प्रसारित किए। रैली के दौरान "संविधान हमारा गौरव", "हम सब का समान अधिकार" एवं "हमारे अधिकार-हमारी जिम्मेदारी" जैसे नारों के माध्यम से जनसामान्य को प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर अपर मण्डल रेल प्रबंधक श्री विकास गढ़वालसहित सभी शाखा अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेफेड के पैविलियन में दिखा नवाचार और देसी स्वाद का मेल, किसान समूहों को मिला बड़ा मंच

(जीएनएस)।

भारत मंडपम में चल रहा इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (IITF) 2025 इस बार पूरी तरह से नवाचार, तकनीक और भारतीय उत्पादों की खूशबू से भरा हुआ है। भीड़ के बीच एक ऐसा पैविलियन है, जहां लोग बार-बार रुककर तस्वीरें ले रहे हैं, स्वाद चख रहे हैं और गांवों के असली स्वाद से जुड़ रहे हैं-यह पैविलियन है नेफेड का।

नेफेड न सिर्फ अपने विविध उत्पादों का प्रदर्शन कर रहा है, बल्कि किसानों को बड़े बाजारों से जोड़ने की अपनी पूरी यात्रा आगंतुकों के सामने रख रहा है। खास बात यह है कि इस बार नेफेड समर्थित ऋछडर भी पहली बार बड़े मंच पर अपने क्षेत्रीय उत्पाद लेकर आए हैं। चाय की खुशबू से लेकर केसर की चमक तक, यह पैविलियन लोगों को हर मोड़ पर नया अनुभव दे रहा है।

FPOs ने दिखाए अपने क्षेत्रीय उत्पाद

इस बार मेले का सबसे बड़ा आकर्षण नेफेड से जुड़े किसान उत्पादक संगठन (FPOs) हैं। इन संगठनों ने नेफेड के पैविलियन में

अलग-अलग स्टॉल लगाए हैं, जहां शहद, सूखे मेवे, केसर, मिलेट से बने खाद्य पदार्थ, अचार और कई तरह के स्थानीय उत्पाद लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। FPOs की भागीदारी यह दिखाती है कि नेफेड किस तरह किसानों को बड़े बाजारों से जोड़कर उनके काम को आगे बढ़ा रहा है।

नेफेड के ब्रांडेड प्रोडक्ट भी रहे चर्चा में

नेफेड के अपने ब्रांड वाले उत्पादों का बड़ा प्रदर्शन भी आगंतुकों को खूब पसंद आ रहा है। दालें, मसाले, ड्राई फ्रूट्स, चावल से लेकर रेडी-टू-कुक और रेडी-टू-ईट आइटम तक-लोग हर सेक्शन में रुचि दिखा रहे हैं। इसके साथ ही नेफेड के निर्यात उत्पाद जैसे फ्रोजन फूड्स, पीनट बटर, प्रोटीन बार और नमकीन भी काफी लोकप्रिय हो रहे हैं।

टी काउंटर बना लोगों का पसंदीदा कॉर्नर

पैविलियन में लगा लाइव टी काउंटर आगंतुकों का सबसे पसंदीदा स्पॉट बन गया है। यहां लोग ताजा चाय पीते हुए नेफेड की पूरी उत्पाद श्रृंखला के बारे में जानकारी ले रहे हैं। यह छोटा सा इंटरैक्टिव कॉर्नर मेले के माहौल को और भी आकर्षक बना रहा है।

नई टेक पहलः NAFEX.in पोर्टल की झलक

इस साल नेफेड ने अपने नए ऑक्शन पोर्टल NAFEX.in को भी प्रदर्शित किया है। यह पोर्टल किसानों और व्यापारियों के लिए कृषि जिंस कारोबार को पारदर्शी और आसान बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

MD दीपक अग्रवाल का दौरा, टीम का बढ़ा हौसला

नेफेड के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल (IAS) ने भी पैविलियन का दौरा किया। उन्होंने FPO प्रतिनिधियों, स्टाफ और आगंतुकों से बातचीत की। उनके प्रोत्साहन ने टीमों का मनोबल बढ़ाया और नेफेड के नवाचार आधारित काम को और मजबूत संदेश दिया।

मेले में आगंतुकों की खुलकर सराहना

IITF 2025 में आने वाले लोगों ने नेफेड के उत्पादों, FPO स्टॉलों और संपूर्ण डिस्प्ले की जमकर तारीफ की है।

अपने विविध उत्पादों और किसानों को दिए जा रहे अवसरों के कारण नेफेड का पैविलियन इस बार मेले के खास आकर्षणों में शामिल हो गया है।

इमरान खान की हो गई मौत? जेल में 'प्लान्ड मर्डर' का शक, क्या है सच्चाई?

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में मौत की खबर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई है, जिसमें उन्हें करक द्वारा जहर दिए जाने का गंभीर दावा किया गया। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने आधिकारिक तौर पर इन खबरों को अफवाह बताकर खारिज कर दिया है और स्पष्ट किया है कि इमरान खान जेल में सुरक्षित हैं।

इन अफवाहों ने तब जोर पकड़ा जब उनकी तीन बहनों (अलीमा, उज़्मा और नौरीन खान) को कथित तौर पर तीन हफ्तों से उनसे नहीं मिलने दिया गया और उन्हें जेल के बाहर धरने के दौरान पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। परिवार और पार्टी (पीटीआई) ने लगातार मुलाकात न होने और उत्पीड़न के कारण उनकी हत्या की आशंका जताई है, जिसके बाद देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

अफगानिस्तान टाइम्स की खबर से हत्या की खबर कैसे फैली

इमरान खान की हत्या की खबर सोशल मीडिया पर आग की तरह तब

फैली जब मीडिया आउटलेट अफगानिस्तान टाइम्स ने "सूत्रों के हवाले" से उनके मरने की खबर प्रसारित की। इस अत्यंत संवेदनशील खबर के प्रसारित होते ही पाकिस्तान में राजनीतिक तनाव बढ़ गया। अफवाहों को और बल मिला क्योंकि पाकिस्तान की सरकार ने तत्काल कोई आधिकारिक खंडन जारी नहीं किया। इसके अतिरिक्त, जेल प्रशासन ने भी इस मामले पर चुप्पी साधे रखी, जिससे जनता और समर्थकों के बीच भ्रम और डर पैदा हो गया। इस दौरान इमरान खान की बहनों और पार्टी कार्यकर्ताओं को उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा था, और उन्हें उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। सरकार और जेल प्रशासन की इस लंबी चुप्पी ने हत्या की आशंकाओं को गहरा कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान में जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और यह खबर सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल गई।

2023 में गिरफ्तार हुए थे इमरान खान

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को साल 2023 में भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और तब से वह अपनी पत्नी बुशरा बीबी के साथ रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। हाल ही में, खान ने जेल के भीतर अपनी हत्या किए जाने की गंभीर आशंका जाहिर की थी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि यदि जेल में उनके साथ कोई अनहोनी होती है, तो इसके लिए सेना प्रमुख आसिम मुनीर पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे। यह बयान पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना और पूर्व प्रधानमंत्री के बीच चल रहे गहरे राजनीतिक टकराव को दशार्ता है, जिसने उनकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भारी चिंता पैदा कर दी है।

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 76वां संविधान दिवस समारोह आयोजित

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बुधवार को '76वां संविधान दिवस - हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विधि अध्ययन संकाय ने किया, जिसमें माननीय न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी, लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन प्रो. बंसीधर सिंह, अधिवक्ता मनंजय कुमार मिश्रा तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस वर्ष समारोह का विषय था— 'साइबर फॉरेंसिक्स और संविधानः प्राइवेसी, निगरानी और डिजिटल अधिकार'।

समारोह की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। कुलपति प्रो. तनेजा ने विशिष्ट अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए आधुनिक डिजिटल समाज में संवैधानिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को संविधान दिवस की शपथ भी दिलाई।

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी ने 2017 में निजता को मौलिक अधिकार घोषित किए जाने का उल्लेख करते हुए डिजिटल युग में प्राइवेसी संरक्षण की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। आयुषी तलवार और शीना बोरा जैसे मामलों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल फॉरेंसिक्स कई बार सत्य के उन पहलुओं को सामने लाता है जिन्हें पारंपरिक जांच पद्धतियाँ उजागर नहीं कर पातीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस की जांच में निगरानी का उपयोग आवश्यक हो सकता है, लेकिन इसे नागरिकों पर सामूहिक निगरानी में नहीं बदला जा सकता। डिजिटल साक्ष्यों की विश्वसनीयता के लिए धारा 65इ प्रमाणन को उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

अतिथि सम्मान प्रो. बंसीधर सिंह ने निजता की अवधारणा के वैश्विक इतिहास पर प्रकाश डाला और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सिद्धांतों से भारत के साइबर कानून के विकास को जोड़कर समझाया।

विशेष अतिथि अधिवक्ता मनंजय कुमार मिश्रा ने निजता के विचार को मनुस्मृति जैसे प्राचीन ग्रंथों से जोड़ते हुए बताया कि कैसे पुट्टस्वामी निर्णय ने इसे स्वतंत्र एवं व्यापक मौलिक अधिकार का दर्जा प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान विभाग में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को डॉ. श्वेता त्रिवेदी द्वारा सम्मानित किया गया।

समारोह का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. पियूष कुमार त्रिवेदी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों, आयोजकों और विद्यार्थियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के आयोजक आशीष शाही, डॉ. कृष्णा मुकुंद और तान्या सागर थे, जबकि अमन कुमार त्रिपाठी ने समन्वय की जिम्मेदारी निभाई।

संविधान दिवस पर विधि अध्ययन संकाय के डीन प्रो. मसूद आलम ने वीडियो संदेश के माध्यम से छात्रों से जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाने की अपील की।

'घंटेभर की कीमत क्या है?' फेमस एक्ट्रेस को किए गंदे मैसेज, 'नीली साड़ी वाली' का रातोंरात हुआ ऐसा हाल

(जीएनएस)।

एक्ट्रेस गिरिजा ओक पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर अचानक वायरल हुए वीडियो ने उन्हें रातोंरात नेशनल क्रश का टैग दिलाया, जिसके बाद उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई। इस तेजी से आई पॉपुलैरिटी ने गिरिजा ओक जितनी खुशी दी, उतनी ही परेशानियां भी। खुद गिरिजा ने इसका डार्क साइड इंटरव्यू में सामने रखा है।

गिरिजा ओक को मिला है 'नेशनल क्रश' का टैग

गिरिजा ओक ने हाल ही में द लल्लनटॉप से बातचीत की। कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर उनकी कुछ बोल्ड तस्वीरें वायरल हुई थीं, जिसके बाद यूजर्स ने उन्हें इंडिया की 'सिडनी स्वीनी' कहना शुरू कर दिया था और 'नेशनल क्रश' का टैग दे दिया था।

इंटरनेट ने गिरिजा ओक का किया

ऐसा हाल

जब गिरिजा ओक से पूछा गया था कि इस वायरल फेम के बाद उनके जीवन में क्या बदला तो उन्होंने साफ कहा था- कुछ खास नहीं। उन्होंने बताया कि मशहूर होने के बावजूद अभी भी उन्हें बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर कम ही मिल रहे हैं।

एक्ट्रेस को लेग कर रहे हैं भद्दे मैसेजेस

-गिरिजा ओक ने बताया कि अचानक मिली पॉपुलैरिटी के साथ उन्हें अप्रिय अनुभव भी होने लगे हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उन्हें भद्दे और आउट ऑफ लाइन मैसेजेस भेजे हैं।

-एक्ट्रेस ने बताया- एक यूजर ने मैसेज किया है- मैं आपके लिए कुछ भी कर सकता हूं, बस एक मौका दीजिए। किसी ने तो हद पार करते हुए उनसे उनका रेट तक पूछ लिया है और कहा है- एक घंटे बैठने की कीमत क्या है?

-गिरिजा ओके के मुताबिक ऐसे लोग अगर असल जिंदगी में सामने आ जाएं तो शायद नजरें भी न मिला पाएं लेकिन स्क्रीन के पीछे कुछ भी लिखने से नहीं डरते।

गिरिजा ओक का फिल्मी सफर

जानकारी के अनुसार गिरिजा ओक ने मराठी सिनेमा से अपने करियर की शुरूआत की थी और टीनएज में ही पहला फिल्म प्रोजेक्ट किया था। हिंदी फिल्मों में उन्होंने सपोर्टिंग रोल्स से पहचान बनाई है। गिरिजा ओक ने 'तारे जमीन पर' और 'शोर इन द सिटी' जैसी फिल्मों में काम किया है। मराठी इंडस्ट्री में वह एक स्थापित और लोकप्रिय अभिनेत्री हैं।

पॉपुलर फेस हैं गिरिजा ओक

बड़े पर्दे के साथ-साथ गिरिजा ओक OTT की भी फेमस एक्ट्रेस हैं। वह टीवी शो 'लेडीज स्पेशल' में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने वेब सीरीज 'मॉडर्न लवः मुंबई' और 'इंस्पेक्टर जेंडे' में भी काम किया था। वह बॉलीवुड के दमदार एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। जल्द ही वह गुलशन देवैया के साथ 'परफेक्ट फैमिली' में दिखाई देंगी।

अगले सप्ताह कब-कबा बैंक रहेंगे बंद? घर से निकलने से पहले जरूर देख लें ये लिस्ट

(जीएनएस)।

दिसंबर की हल्की ठंड और साल के आखिरी महीनों की भागदौड़ के साथ बैंकिंग कामकाज पर भी खास असर पड़ने वाला है। महीने की शुरूआत में ही लोग आम तौर पर अपने जरूरी काम-जैसे चेक क्लियर कराना, खाता अपडेट कराना, या लोन से जुड़े दस्तावेज पूरे करना निपटाना पसंद करते हैं। लेकिन इस बार 30 नवंबर से 6 दिसंबर के बीच बैंकिंग शेड्यूल में कुछ ऐसे बदलाव हैं जिन्हें नजरअंदाज करना आपके काम को रुकवा सकता है।

कई राज्यों में साप्ताहिक अवकाश तो रहेगा ही, साथ ही एक राज्य में खास क्षेत्रीय त्योहार के चलते बैंक बंद

रहेंगे। ऐसे में अगर आप भी किसी जरूरी बैंकिंग काम की सोच रहे हैं, तो पहले यह जान लेना काफी मददगार होगा कि किस दिन कौन सा काम बिना रुकावट हो सकता है और किन दिनों में शाखाएं बंद रहेंगी। सही प्लानिंग आपका समय भी बचाएगी और परेशानी से भी दूर रखेगी।

तीन दिन बैंकिंग कामकाज पर असर

अगले हफ्ते के दौरान बैंक पूरे देश में तीन बार बंद रहेंगे। इनमें से दो दिन रविवार हैं, जबकि शनिवार सामान्य कार्यदिवस रहेगा।

रविवार, 30 नवंबर 2025

यह सप्ताह का आखिरी दिन है और इस दिन पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।

क्यों किया कमला पसंद का मालिक की बहू ने सुसाइड ? क्या है कानपुर से कनेक्शन?

(जीएनएस)।

कमला पसंद और राजश्री पान मसाला के मालिक कमल किशोर की पुत्रवधू दीप्ति चौरसिया की आत्महत्या ने बहुत सारे सवाल खड़े कर दिए हैं। 14 साल के बेटे की मां दीप्ति चौरसिया की बॉडी चुनरी से लटकी हुई पाई गई, पुलिस से शव के पास से एक डायरी मिली है जिसमें उन्होंने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है लेकिन उन्होंने प्यार और भरोसा तोड़ने की बात लिखी है।

अपने नोट में उन्होंने लिखा है कि 'अगर किसी पर प्यार और भरोसा ना हो तो ऐसे रिश्ते का क्या मतलब रह जाता है।' जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वो दीप्ति किसी भयंकर मानसिक दर्द से गुजर रही थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दीप्ति की साल 2010 में कमल किशोर के बेटे हरप्रीत चौरसिया से शादी हुई थी लेकिन हरप्रीत ने दो शादी की हुई है।

दूसरी पत्नी, दक्षिण भारत के फिल्मों की अभिनेत्री बताई जा रही है, जिसके कारण दीप्ति ने ये खौफनाक कदम उठाया, हालांकि इस बारे में दोनों के परिवार वालों ने कोई बयान नहीं दिया है। आपको बता दें कि कमला पसंद पान मसाला देश के लोकप्रिय ब्रांड में से एक है और इसका प्रचार की फिल्मी सितारे करते हैं।

'दीप्ति को किसी ने उकसाया, परिजनों का आरोप'

उनके परिजनों का कहना है कि 'वो ऐसा कदम नहीं उठा सकती है, उसे किसी ने उकसाया है' जबकि कमला पसंद के मालिक के फैमिली एडवोकेट राजेंद्र सिंह ने कहा कि 'जो कुछ भी हुआ वह बहुत बुरा हुआ। दोनों परिवारों ने तय किया है कि आज एक साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा क्योंकि हम उन्हें पूरा सम्मान देना चाहते हैं। यह दोनों परिवारों के लिए बहुत बड़ा नुकसान है।'

'सुसाइड नोट में कोई आरोप नहीं है'

मीडिया में जो भी बताया जा रहा है वह पूरी तरह से झूठ है। सुसाइड नोट में कोई आरोप नहीं है। उन्होंने इसके लिए किसी का नाम नहीं लिया है। हमें नहीं पता कि सुसाइड का कारण क्या है। हम पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं।'

कानपुर शहर के फीलखाना के रहने वाले है कमल किशोर

अठक के मुताबिक दीप्ति चौरसिया (40) की कल शाम कथित तौर पर आत्महत्या से मौत हो गई। उनकी बॉडी लटकी हुई मिली। डॉक्टरों का एक पैनल पोस्टमॉर्टम करेगा। उनकी बॉडी कल रात सफदरजंग हॉस्पिटल लाई गई थी। आपको बता दें कि भारत के टॉप ब्रांड पान मसाला कमला पसंद और राजश्री कंपनी के मालिक कमल किशोर चौरसिया यूपी के कानपुर शहर के फीलखाना के रहने वाले हैं।

'सड़क किनारे गुमटी में पान मसाला बेचते थे'

उनकी पान मसाला कंपनी भी यहीं पर स्थित है और यहीं से पूरे देश में सप्लाई की जाती हैं। आज ये कंपनी अरबों की कमाई करती है लेकिन कभी वो सड़क किनारे गुमटी में पान मसाला बेचते थे। इस कंपनी के मालिक कमला कांत चौरसिया और कमल किशोर चौरसिया है, वैसे तो ये कंपनी कई प्रोडक्टस बनाती है लेकिन मुख्य रूप से इसका उत्पाद पान मसाला ही है।

पान मासला कंपनी के मालिक की नेटवर्थ कितनी?

इसका स्पष्ट डेटा को किसी के पास नहीं लेकिन मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आज ये कंपनी हजारों करोड़ों की कमाई करती है। कुछ दिनों पहले कंपनी पर 147 करोड़ रुपए की एक्साइज ड्यूटी चोरी का आरोप भी लगा था।

राष्ट्रीय एकता के संदेश को जन-जन के हृदय में पुनर्स्थापित करने के लिए सरदार@150 : यूनिटी मार्च देशवासियों में अनूठा प्राण फूँकेगी

विश्व की सबसे ऊँची सरदार साहब की प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के प्रोजेक्ट की मुलाकात से सरदार वल्लभभाई पटेल के पौत्र श्री गौतमभाई पटेल प्रभावित

गांधीनगर,26 नवंबर :भारत के प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रीय एकता, समरसता, सहयोग, स्वाभिमान एवं देशप्रेम की भावना अधिक प्रज्ज्वलित हो; इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अखंड भारत के शिल्पकार तथा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समग्र देश में भव्यातिभव्य रूप से मनाने की प्रेरणा दी है। 'हम सभी भारतीय हैं और भारत हमारा है। हम एक होकर रहेंगे, तो ही प्रगति कर सकेंगे।' सरदार साहब के राष्ट्रीय एकता के इस संदेश को जन-जन के हृदय में पुनर्स्थापित करने के लिए समग्र देश में 'सरदार@150 : यूनिटी मार्च' का आयोजन किया गया है, जिसके अंतर्गत गुजरात में करमसद से केवडिया तक आयोजित होने वाली इस पदयात्रा का शुभारंभ मंगलवार को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने करमसद से कराया है।

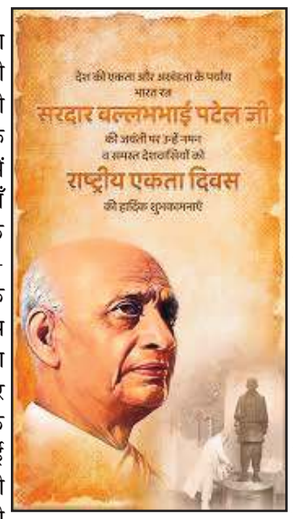

प्रधानमंत्री द्वारा सरदार साहब की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का केवडिया में निर्माण कर वहाँ विभिन्न प्रोजेक्ट के जरिये केवडिया-एकता नगर को एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसकी सरदार वल्लभभाई पटेल के पौत्र श्री गौतमभाई पटेल ने मुलाकात ली और वे बहुत ही प्रभावित हुए हैं।

इस प्रोजेक्ट के बारे में श्री गौतमभाई पटेल ने प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में हुए कामकाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि नर्मदा जिले के दुर्गम आदिवासी क्षेत्र में चल रहे महत्वाकांक्षी विकास प्रोजेक्ट की उनकी मुलाकात के दौरान स्थानीय नागरिकों ने प्रोजेक्ट को लेकर खुशी और संतोष व्यक्त किया है।

इस प्रोजेक्ट द्वारा गाँवों में नर्मदा नदी का शुद्ध पानी घर-घर पहुँचाया जा रहा है। साथ ही बिजली की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। इसका सीधा प्रभाव स्थानीय लोगों के जीवन पर देखने को मिल रहा है। घर में टीवी, पंखे तथा अन्य विद्युत उपकरण चल रहे हैं, बच्चे स्कूल में नियमित रूप से जा रहे हैं और गाँव में ही गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्थानीय महिला गाइड ने बहुत ही बढ़िया ढंग से पूरे प्रोजेक्ट का विवरण समझाया। इस प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा लाभ यह है कि गाँव के युवाओं को अब शिक्षा तथा रोजगार के लिए गाँव छोड़कर शहरों में भटकना नहीं पड़ेगा। इस क्षेत्र में यूनिवर्सिटी स्तर का शैक्षणिक संस्थान भी शुरू होने वाला है, जिससे स्थानीय छात्रों को गाँव में रहकर ही उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसर मिलेंगे।

उन्होंने जोड़ा, 'इतने बड़े पैमाने पर ऐसा विकास प्रोजेक्ट स्थापित करना और उसमें भी इतने सारे लोगों को जोड़ना वास्तव में प्रशंसनीय कार्य है। गाँव के लोगों के चेहरों पर खुशी देखने को मिलना सबसे बड़ी बात है। विशेषकर युवाओं को गाँव में ही शिक्षा तथा रोजगार मिलने की बात मुझे बहुत अच्छी लगी।'

उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रोजेक्ट से आदिवासी बहुल क्षेत्र के लोगों का जीवन धीरे-धीरे बदल रहा है और आने वाले समय में यह क्षेत्र का विकास का मॉडल बनेगा।

20 साल बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की भारत में वापसी, अहमदाबाद को मिली 2030 में होने वाले इवेंट की जिम्मेदारी

(जीएनएस)।

अहमदाबाद 2030 के सेंचुरी कॉमनवेल्थ गेम्सकी मेजबानी करने जा रहा है। यह भारत के लिए एक बड़ी वैश्विक खेल प्रतियोगिता होगी। 20 साल बाद भारत में ये कॉमनवेल्थ गेम्स होने जा रहा है। इससे पहले 2010 में दिल् ली में कॉमनवेल् थ गेम् स हुए थे।

26 नवंबर 2025 को ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ स्पोर्ट जनरल असेंबली ने 74 सदस्य देशों की मंजूरी के बाद अहमदाबाद को 2030 सेंचुरी कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी सौंप दी। यह फैसला भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे कॉमनवेल्थ मूवमेंट के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि 2030 में इस खेल आयोजन के 100 साल पूरे होंगे।

गुजरात के पारंपरिक अंदाज की दिखाई झलक

इस बड़ी घोषणा के तुरंत बाद 20 गरबा नर्तक और 30 भारतीय ढोल वादक असेंबली हॉल में पहुंचे और गुजरात की पारंपरिक रंगत से भरपूर शानदार प्रस्तुति दी। इस सांस्कृतिक माहौल ने न सिर्फ गुजरात की पहचान को उजागर किया बल्कि यह भी दिखाया कि 2030 के खेल कितने जीवंत और विविधता से भरे होंगे।

भारत ने अपनी प्रस्तुति में

अहमदाबाद को केंद्र में रखकर एक मजबूत और भव्य विजन पेश किया, जो ग्लासगो 2026 द्वारा तैयार की जाने वाली नींव पर आगे बढ़ेगा। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रूस्टर ने इस फैसले को "कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के लिए नए स्वर्णिम युग" की शुरूआत बताया। वहीं, कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की अध्यक्ष पी.टी. उषा ने कहा कि भारत पर जताया गया यह भरोसा आने वाले वर्षों में कॉमनवेल्थ मूवमेंट को और मजबूत करेगा।

कॉमनवेल् थ गेम् स में 15-17 तरह के खेलों की होगी प्रतियोगिता

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2030 गेम्स के लिए शुरूआती खेलों की सूची भी जारी की है, जबकि अन्य खेल आगे की चयन प्रक्रिया के बाद जोड़े जाएंगे। कॉमनवेल् थ गेम् स में 15-17 तरह की खेल प्रतियोगिता शामिल होंगी। अमदाबाद 2030 टीम राष्ट्रमंडल खेल और अंतर्राष्ट्रीय महासंघ समुदाय के साथ मिलकर एक गतिशील और रोमांचक खेल कार्यक्रम को आकार देगी, जिसमें मजबूत स्थानीय अनुनाद और वैश्विक अपील होगी। शेष कार्यक्रम को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया अगले महीने शुरू होगी, और अगले साल पूर्ण शताब्दी खेलों की लाइन-अप की घोषणा की जाएगी।

कौन- कौन से खेल होंगे?

कॉमनवेल् थ गेम्स 2023 में जिन खेलों पर विचार किया जा रहा है उनमें तीरंदाजी, बैडमिंटन, ३७३ बास्केटबॉल और ३७३ व्हीलचेयर बास्केटबॉल, बीच वॉलीबॉल, ळ20 क्रिकेट, साइकिलिंग, डाइविंग, हॉकी, जूडो, रिदमिक जिम्नास्टिक्स, रग्बी सेवेन्स, शूटिंग, स्क्वैश, ट्रायथलॉन और पैरा ट्रायथलॉन तथा कुश्ती शामिल हैं। मेजबान दो नए या पारंपरिक खेलों का भी प्रस्ताव कर सकता है।

भारत ने पिछले कुछ सालों में अंतराष्ट्रीय खेलों को लेकर बुनियादी सुविधाओं को लगातार मजबूत किया है। हाल के वर्षों में कई खेल आयोजनों की मेजबानी की है, जिसमें नई दिल्ली में पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप और अपना पहला विश्व एथलेटिक्स इंटरकांटिनेंटल टूर शामिल है। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत, भारत ने देश में वैश्विक खेल टूनामेंटों को लाने के लिए महत्वपूर्ण जोर दिया है, जिसका अंतिम लक्ष्य 2036 में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी करना है।

दीपक प्रकाश के मंत्री बनते ही उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में भूचाल, एक दर्जन नेता ने दिया इस्तीफा

(जीएनएस)।

दीपक प्रकाश के मंत्री बनने के ठीक बाद राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) में भगदड़ मच गई है, जहां राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र नाथ पटेल और प्रदेश प्रवक्ता राहुल कुमार समेत एक दर्जन से अधिक प्रमुख पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। इन नेताओं ने सीधे तौर पर पार्टी सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा के क्रियाकलापों पर उंगली उठाई है, जिससे परिवारवाद के आरोपों को बल मिला है।

त्यागपत्र देने वाले नेताओं का कहना है कि कुशवाहा के कार्य अब उनकी "राजनीतिक पाचन शक्ति से ऊपर" हो गए हैं। इस सामूहिक इस्तीफे ने बिहार के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है और फ्छट के भविष्य और उसकी एकजुटता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर वंशवाद के आरोपों के संदर्भ में।

कुशवाहा के 'क्रिया-कलाप' पर उठीं उंगलियां

राष्ट्रीय लोक मोर्चा से सामूहिक इस्तीफा देने वाले नेताओं ने पार्टी सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा के क्रिया-कलाप पर सीधे-सीधे उंगली उठाई है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र नाथ पटेल और प्रदेश प्रवक्ता राहुल कुमार ने

त्यागपत्र का कारण बताते हुए कहा कि कुशवाहा के राजनीतिक कार्य अब उनकी पाचन शक्ति से ऊपरहो गए हैं। यह बयान स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि पार्टी के भीतर उपेंद्र कुशवाहा की कार्यशैली और निर्णयों को लेकर गहरा असंतोष था। इन नेताओं ने कुशवाहा की नीतियों और व्यवहार की कड़ी निंदा की है, जिससे यह संकेत मिलता है कि पार्टी के प्रमुख सदस्यों के बीच विचारधारा और नेतृत्व को लेकर गंभीर मतभेद मौजूद थे।

दिग्गज नेताओं का सामूहिक इस्तीफा

राष्ट्रीय लोक मोर्चा को बुधवार को बड़ा झटका लगा, जब राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र नाथ पटेल और प्रदेश प्रवक्ता सह प्रदेश महासचिव राहुल कुमार सहित एक दर्जन से अधिक प्रमुख पदाधिकारियों ने एक साथ इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वालों में प्रमोद यादव, राजेश रंजन उर्फ गुरु जी, जिलाध्यक्ष पप्पू राज मंडल और प्रखंड अध्यक्ष गोरेलाल कुशवाहा, अमीर राज मंडल, विद्या सागर, प्रेम गुप्ता, सत्येंद्र सिंह जैसे महत्वपूर्ण नेता शामिल हैं। इस सामूहिक इस्तीफे से पार्टी की संगठनात्मक संरचना पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका है। इतने बड़े पैमाने पर नेताओं का पार्टी छोड़ना RLM के लिए एक बड़ा संकट है, जो इसके भविष्य को अधर में लटका रहा है।

पार्टी के भविष्य पर उठे सवाल

राष्ट्रीय लोक मोर्चा में हुए इस सामूहिक इस्तीफे ने पार्टी के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दीपक प्रकाश के मंत्री बनते ही पार्टी में आए इस भूचाल ने उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व को चुनौती दी है। दिग्गज नेता और एक दर्जन पदाधिकारियों का पार्टी छोड़ना यह संकेत देता है कि फ्छट के भीतर विश्वास और एकजुटता की कमी है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या पार्टी इस संकट से उबर पाएगी या फिर यह सामूहिक इस्तीफा पार्टी के टूटने की शुरूआत है। आने वाले समय में इन नेताओं का अगला कदम और उपेंद्र कुशवाहा की प्रतिक्रिया बिहार की राजनीति में RLM के भविष्य को तय करेगी।

'सिर्फ चेन्नई को मिला 2,20,000 एच-1बी वीजा', इकोनॉमिस्ट के गंभीर आरोप से अमेरिका से भारत तक बवाल

(जीएनएस)।

पूर्व अमेरिकी हाउस प्रतिनिधि और अर्थशास्त्री डेव ब्रैट ने H-1B वीजा कार्यक्रम में "इंडस्ट्रियल स्तर के फ्रॉड" का आरोप लगाते हुए भारत को निशाना बनाया है। स्टीव बैनन के पॉडकास्ट पर ब्रैट ने दावा किया कि भारत के एक जिले (चेन्नई) को कानूनी वार्षिक सीमा 85,000 से 2.5 गुना अधिक 220,000 वीजा आवंटित किए गए। उन्होंने इसे बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी बताया।

ब्रैट ने एक पूर्व अमेरिकी राजनयिक के दावों का भी हवाला दिया कि 80-90% H-1B आवेदनों में नकली दस्तावेज थे। ट्रंप प्रशासन द्वारा H-1B वीजा पर कार्रवाई तेज किए जाने के बीच आया यह बयान अमेरिकी कामगारों के भविष्य पर चिंताएं बढ़ा रहा है।

220,000 वीजा चेन्नई को मिला

डेव ब्रैट ने पॉडकास्ट पर चौंकाने वाला दावा किया कि 71% H-1B वीजा भारत से आते हैं, जबकि चीन से केवल 12$। उन्होंने इस असमानता पर सवाल उठाते हुए कहा कि, जबकि वार्षिक राष्ट्रीय सीमा 85,000 वीजा है, फिर भी भारत के एक क्षेत्र, मद्रास (चेन्नई) को

220,000 वीजा मिले। ब्रैट ने इसे धोखाधड़ी बताया, क्योंकि यह कॉन्ग्रेस द्वारा निर्धारित सीमा से 2.5 गुना अधिक है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई स्थित अमेरिकी कॉन्सुलेट 2024 में लगभग 220,000 H-1B और 140,000 H-4 आश्रित वीजा जारी करने की बात करता है, जो तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना को कवर करता है।

अमेरिकी कामगारों के लिए बताया सीधा खतरा

अर्थशास्त्री ब्रैट ने इस कथित धोखाधड़ी को अमेरिकी कामगारों के भविष्य के लिए सीधा खतरा बताया। उन्होंने तर्क दिया कि जब इन वीजा पर आने वाले लोग खुद को "स्किल्ड" (कुशल) होने का दावा करते हैं, जबकि वे वास्तव में नहीं होते, तो यह फ्रॉड होता है। ब्रैट ने कड़े शब्दों में कहा कि ये "फ्रॉड वीजा" आपके परिवार की नौकरी, मॉर्गेज, और घर छीन रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी परिवारों से आग्रह किया कि जब वे ल्न-1इ के बारे में सुनें, तो अपने परिवार के भविष्य के बारे में सोचें, क्योंकि यह धोखाधड़ी उनका भविष्य "चुरा" रही है।

इस आधार पर किया गया दावा

राजनयिक महवश सिद्दीकी के पुराने आरोपब्रैट ने अपने आरोपों की पुष्टि के लिए 2005-2007 तक चेन्नई कॉन्सुलेट में कार्यरत भारतीय मूल की अमेरिकी विदेश सेवा अधिकारी महवश सिद्दीकी के दावों का उल्लेख किया। सिद्दीकी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि भारत से आने वाले 80-90% ल्न-1इ वीजा आवेदनों में नकली दस्तावेज होते थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2006-2007 के बीच 51,000 से अधिक वीजा आवेदनों पर फैसला सुनाया था और हैदराबाद के अमीरपेट इलाके को एक फ्रॉड हॉटस्पॉट बताया, जहाँ नकली डिग्री और दस्तावेज बेचे जाते थे।

शीतकालीन सत्र में पेश होगा परमाणु ऊर्जा विधेयक, निजी निवेश के पक्ष में सरकार के हैं ये 5 मजबूत

(जीएनएस)।

संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश होने जा रहा परमाणु ऊर्जा विधेयक 2025 भी पेश होगा। प्रस्तावित 10 बिलों में सबसे ज्यादा चर्चा इसको लेकर ही है। यह विधेयक भारत के ऊर्जा ढांचे में एक ऐतिहासिक बदलाव साबित हो सकता है। प्रस्तावित संशोधन के तहत पहली बार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश का मार्ग खुलने जा रहा है। विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद सरकार के पास इसके पक्ष में अपने मजबूत तर्क हैं।

सरकार का मानना है कि यह कदम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा। साथ ही, देश के डीकाबोर्नाइजेशन लक्ष्यों, बढ़ती बिजली मांग और औद्योगिक विस्तार को भी नई गति देगा। परमाणु उर्जा का इस्तेमाल औद्योगिक विकास से लेकर नए इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के लिए जरूरी है।

पक्ष में दमदार तर्क

- भारत ने 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है, लेकिन वर्तमान ढांचा इस लक्ष्य को समय पर पूरा करने में सक्षम नहीं है।

- निजी क्षेत्र की भागीदारी से परियोजनाओं की गति, प्रबंधन और निर्माण क्षमता में अचानक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इससे ऐसी परियोजनाएं, जो अभी फंडिंग या देरी से प्रभावित हैं तेजी से आगे बढ़ सकेंगी।

- सरकार परमाणु ऊर्जा में 49% तक विदेशी और घरेलू इक्विटी निवेश की अनुमति पर विचार कर रही है। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े उद्यमों में पूंजी की बड़े पैमाने पर जरूरत होती है। निजी निवेश सरकार की निर्भरता कम करेगी।

- निजी फंडिंग मिलने से नई परियोजनाएं शुरू होंगी और पुराने प्लांट्स का विस्तार भी तेज होगा। इससे सरकार पर आर्थिक बोझ भी कम होगा।

- निजी संस्थाओं के प्रवेश से इस क्षेत्र में अनुसंधान और तकनीकी इनोवेशन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। खास तौर पर स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स (SMRs) जैसी आधुनिक तकनीकें भारत में तेजी से विकसित और लागू की जा सकेंगी। एसएमआर तकनीक को सुरक्षित, कम जगह में स्थापित होने वाली और भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिए उपयोगी माना जा रहा है।

डीकाबोर्नाइजेशन के मिशन को मजबूती

भारत सरकार ने 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। परमाणु ऊर्जा का उत्पादन बढ़ने से कोयला जैसी जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटेगी और स्वच्छ ऊर्जा का हिस्सा बढ़ेगा। यह कदम औद्योगिक क्षेत्रों और भारी बिजली उपयोग वाले सेक्टर्स को भी स्वच्छ विकल्प उपलब्ध कराएगा।

विधेयक के लागू होने पर सरकारी एकाधिकार में होगा बदलाव

विधेयक 1962 के परमाणु ऊर्जा अधिनियम में संशोधन लाएगा, जिससे यूरेनियम खनन, आयात, प्रसंस्करण और प्लांट निर्माण पर दशकों पुराना सरकारी एकाधिकार समाप्त हो जाएगा। हालांकि, ऑपरेशन, गुणवत्ता नियंत्रण और संवेदनशील सुरक्षा कार्य अब भी सरकारी कंपनियों, जैसे कि एनपीसीआईएल के हाथ में ही रहेंगे। निजी कंपनियां भूमि, पूंजी, निर्माण और प्रौद्योगिकी विकास में अहम भूमिका निभाएंगी।

अहम बिल

विंटर सेशन में कई अहम विधेयक पेश किए जाएंगे। इसमें परमाणु उर्जा विधेयक के अलावा, उच्च शिक्षा संशोधन विधेयक समेत कुल 10 बिल पेश किए जाएंगे। सरकार की कोशिश रहेगी कि सदन का कामकाज ठीक तरीके से चले और ज्यादा से ज्यादा बिल पास कराए जा सकें। दूसरी ओर विपक्षी दल भी सरकार को घेरने के लिए कोई मौका नहीं छोड़ेगी।

बांग्लादेशी बबली खातून का भूमि शर्मा और बॉबी खातून का मजदूर बनकर रहने का चौंकाने वाला खुलासा

(जीएनएस)।

ऑपरेशन कालनेमि के तहत देहरादून पुलिस का अपनी पहचान छिपाकर रह रहे बांग्लादेशियों को गिरफ्तार करने का अभियान जारी है। ऑपरेशन कालनेमि के तहत देहरादून में अवैध रूप से रह रहे 17 बांग्लादेशी नागरिकों के विरुद्ध पुलिस द्वारा अब तक कार्रवाई की जा चुकी है।

जिसमें से फर्जी दस्तावेज बनाकर अवैध रूप से रह रहे 08 बांग्लादेशी नागरिकों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत

कर जेल भेजा जा चुका है। जबकि 09 बांग्लादेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया जा चुका है।हाल ही में फर्जी भारतीय दस्तावेज बनाकर भारत में अवैध रूप से रह रही एक बांग्लादेशी महिला को देहरादून की कोतवाली पटेल नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

उसके साथ ही अवैध रूप से भारत में रह रही एक अन्य बांग्लादेशी महिला को भी हिरासत में लिया गया है। गिरफ्तार महिला बबली खातून ने बताया कि वह कोविड के दौरान अवैध रूप से बॉर्डर क्रॉस कर भारत आई थी और भारत आने के बाद हिंदू महिला भूमि शर्मा बनकर देहरादून में रह रही थी।

महिला ने देहरादून में ही भूमि शर्मा नाम के फर्जी दस्तावेज बनाए और यहीं एक हिंदू युवक से विवाह कर लिया। उसके कब्जे से पुलिस को भूमि शर्मा के नाम का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी और अन्य फर्जी भारतीय दस्तावेज और बबली खातून के नाम से एक बांग्लादेशी आईडी मिली।

इसके साथ ही पुलिस ने कारगी रोड कालिंदा विहार से एक अन्य संदिग्ध महिला को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम बॉबी खातून (निवासी जिला बोगुरा बांग्लादेश) बताया। उसके पास से पुलिस टीम को उसके बांग्लादेशी पहचान पत्र की फोटो कॉपी प्राप्त हुई।

हिरासत में ली गई अन्य बांग्लादेशी नागरिक बॉबी खातून द्वारा पूछताछ में बताया गया कि वह साल 2023 में चोरी छिपे बांग्लादेश से भारत आई थी। उसके बाद से ही देहरादून में अवैध रूप से रहते हुए मजदूरी कर के अपना जीवन यापन कर रही है। महिला को हिरासत में लेकर उसे नियमानुसार बांग्लादेश डिपोर्ट करने की कार्रवाई की जा रही है।

ऐसे चमकी 'तेरे इश्क में' की किस्मत, एडवांस बुकिंग में की छप्पड़फाड़ कमाई

(जीएनएस)।

आनंद एल राय के निर्देशन में बनी फिल्म 'तेरे इश्क में' इस हफ्ते बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। कृति सेनन और धनुष की जोड़ी को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

एडवांस बुकिंग में दिखा जबरदस्त क्रेज

ट्रेलर लॉन्च से ही फिल्म के प्रति क्रेज लगातार बढ़ रहा है और अब रिलीज से दो दिन पहले ही इसकी एडवांस बुकिंग शानदार रफ्तार पकड़ चुकी है। तेरे इश्क में की एडवांस बुकिंग ओपन होते ही टिकटों की मांग जोर पकड़ चुकी है।

फिल्म ने की 2.69 करोड़ रुपये की एडवांस कमाई

-दर्शक पहले दिन ही इस फिल्म देखने के लिए जबरदस्त बुकिंग कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म ने पहले दिन की एडवांस बुकिंग से ही कई करोड़ की कमाई दर्ज कर ली है।

-सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने अब तक 2.69 करोड़ रुपये की एडवांस कमाई कर ली है। करीब 46,156 टिकटें बिक चुकी हैं। देशभर में 5113 शोज लगाए गए हैं। रिलीज वाले दिन कोई बड़ी फिल्म क्लैश नहीं कर रही है जिसका सीधा फायदा तेरे इश्क में को मिलता नजर आ रहा है।

ओपनिंग डे पर दमदार कलेक्शन की उम्मीद

-अगर फिल्म की एडवांस बुकिंग की रफ्तार इसी तरह जारी रही तो ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार ये मूवी पहले दिन 12 से 14 करोड़ रुपये तक का बिजनेस कर सकती है।

-इंटेंस लव स्टोरीज का ट्रेंड इन दिनों तेजी से बढ़ा है। हाल ही में 'एक दिवाने की दीवानियत' जैसी फिल्मों के सक्सेस के बाद इस जॉनर के लिए बाजार में बज और भी मजबूत हुआ है।

फिल्म की टीम कर रही है जोरदार प्रमोशन

रिलीज से पहले फिल्म 'तेरे इश्क में' की टीम भी प्रमोशन में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। कृति सेनन, धनुष और निर्देशक आनंद एल राय देशभर में इंटरव्यूज, इवेंट्स और सोशल मीडिया कैंपेन के जरिए फिल्म को प्रमोट कर रहे हैं। उनके प्रमोशनल वीडियोज और तस्वीरें फैंस के बीच खूब वायरल हो रही हैं।